Godda College, Godda

Name of the Teacher	Course	Sem	Subject	Title	Mode
Dr Parkash kumar	B.Ed	II	TC-201	अन्तर्दृष्टि द्वारा अधिगम एवं टॉलमैन का अधिगम सिद्धांत	Pdf

P. Kumar
11/04/2020

अन्तर्दृष्टि द्वारा अधिगम [illegible] :–

- सीखने के इस सिद्धांत को गेस्टाल्ट सिद्धांत, पूर्णाकार सिद्धांत, समग्र सिद्धांत, पूर्णाकृति सिद्धांत, अन्तर्दृष्टि सिद्धांत या सूझ सिद्धांत [illegible] आदि नामों से जाना जाता है।
- सीखने के इस सिद्धांत का उद्‌भव 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में जर्मनी में हुआ था। इसके प्रतिपादकों में चार जर्मन मनोवैज्ञानिक हैं :– 1. मैक्स वर्थीमर, 2. वोल्फगैंग कोहलर, 3. कुर्ट कोफ्का तथा 4. कुर्ट लेविन प्रमुख थे।
- गेस्टाल्ट [illegible] जर्मन भाषा का शब्द है जिसका आंग्ल भाषा में कोई पूर्ण समतुल्य शब्द न होने के कारण इसे यथावत स्वीकार कर लिया गया है। इसका अर्थ संगठित व पूर्ण अथवा पूर्णाकृतिक संरचना से है।
- गेस्टाल्टवादियों के अनुसार प्राणी सम्पूर्ण परिस्थिति को एक समग्र रूप से देखता है। जब कोई समस्या आती है तब प्राणी उद्दीपक को अनुक्रिया से संबंधित करके नहीं सीखता है वरन् वह सम्पूर्ण परिस्थिति को देखकर समस्या का समाधान खोजता है।
- सम्पूर्ण परिस्थितियों को समझ में आना और फिर प्रतिक्रिया करना सूझ का परिचायक है। इसलिए इसे सूझ या अन्तर्दृष्टि द्वारा सीखना कहते हैं।

कोहलर के प्रयोग [illegible] :– कोहलर के द्वारा चिम्पांजियों [illegible] में अनेक प्रयोग किये गये। लेकिन सुल्तान नाम के एक चिम्पांजी जो अन्य चिम्पांजियों से अधिक बुद्धिमान था, पर किये गये प्रयोग अधिक प्रसिद्ध है।

- **प्रयोग 1 –** कोहलर ने सुल्तान को एक ऐसे पिंजरे में बन्द कर दिया जिसकी छत से एक केला लटका हुआ था तथा पिंजरे में एक बक्सा भी रखा हुआ था। सुल्तान उछल कूद करके केला प्राप्त नहीं कर सकता था परन्तु बक्से को पिंजरे के बीच में रखकर तथा उस पर खड़ा होकर केला प्राप्त कर सकता था। सुल्तान ने पहले उछल कूद करके केला प्राप्त करने का प्रयास किया परन्तु वह सफल नहीं हो सका। अचानक उसे कुछ सूझा उसकी दृष्टि पिंजरे के कोने में पड़ी बक्से पर पड़ी तथा वह बक्से व केले में संबंध जोड़ने में सफल रहा। उसने बक्से को केले के नीचे रखा और उस पर चढ़ कर केला प्राप्त करने में सफल रहा।
- **प्रयोग 2 –** इस प्रयोग में कोहलर ने एक स्थान पर दो बक्से वाली समस्या को सुल्तान के समक्ष प्रस्तुत की। कुछ देर की असफल उछल कूद के बाद अचानक आये विचार के आधार पर सुल्तान ने बक्सों को एक के ऊपर दूसरा बक्सा रखकर तथा उसपर चढ़ कर केला प्राप्त कर लिया।
- **प्रयोग 3 –** अपेक्षाकृत अधिक जटिल परिस्थिति वाले एक अन्य प्रयोग में सुल्तान को एक पिंजरे में बन्द कर दिया तथा पिंजरे के अन्दर एक छोटी छड़ी डाल दी तथा पिंजरे के बाहर एक बड़ी छड़ी व केला इस तरह से रखा कि छोटी छड़ी से बड़ी छड़ी को खींच सकता था लेकिन केला को नहीं तथ बड़ी छड़ी की सहायता से केला को खींचा जा सकता था। सुल्तान केला खाने के लिए बाहर जाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा। इसके बाद उसने बाहर हाथ डाल कर केला उठाना चाहा फिर भी वह असफल रहा। पिंजरे में उछल कूद करते–करते उसने छोटी

Scanned with CamScanner

छड़ी से केला उठाना चाहा पर असफल रहा। इसबार वह छोटी छड़ी से बड़ा छड़ा को अपने पास खींच लिया फिर बड़ी छड़ी की सहायता से केला प्राप्त कर लिया।

- उपरोक्त प्रयोग के आधार पर कोहलर ने माना कि सीखना वास्तव में विचारों की पुनर्त्यवस्था है जो नये संबंधों के प्रत्यक्षीकरण के द्वारा प्राप्त कर सूझ की सहायता से सम्पन्न होती है।

शैक्षिक निहितार्थ ;मनिबंजपवदंस प्उचसपबंजपवदद्ध :–

- अध्यापकों को छात्रों के सम्मुख ऐसे वातावरण प्रस्तुत करनी चाहिए कि उनमें अन्तर्दृष्टि उत्पन्न हो सके।
- बालकों के द्वारा स्वयं परिस्थितियों का अवलोकन करने तथा सूझ द्वारा सीखने पर बल देता है।
- सीखने के उद्देश्य के साथ नवीन ज्ञान की आवश्यकता, उपयोग एवं सार्थकता पर बल देता है।
- बुद्धि, सृजनात्मकता, कल्पना तथा तर्क शक्ति आदि संज्ञानात्मक योगयता का विकास में सहायक है।

टॉलमैन का अधिगम सिद्धांत ;ज्वसउंदरे जीमवतल वि स्मंतदपदहद्ध :–

- सीखने के व्यवहारवादी सिद्धांतों तथा संज्ञानात्मक सिद्धांतों के एक मिले–जुले रुप में सीखने की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए एडवर्ड चेस टॉलमैन ;म्कूंतक ब्ीेंम ज्वसउंदद्ध के द्वारा सन् 1932 में एक अधिगम सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
- अधिगम सिद्धांत को चिन्ह सिद्धांत, चिन्ह अधिगम सिद्धांत, चिन्ह गेस्टाल्ट सिद्धांत, प्रत्याशा सिद्धांत ;म्गचमबजंदबल जीमवतलद्ध, उद्देश्य सिद्धांत ;च्नतचवेपअम जीमवतलद्ध आदि नामों से भी जाना जाता है।
- टालमैन के द्वारा प्रस्तुत अधिगम सिद्धांत को व्यवहारवाद तथा समग्रवाद का एक अनोखा सम्मिश्रण कहा जा सकता है।
- टालमैन ने व्यवहारवादियों के समान मानव व्यवहार को यन्त्रवत मानने का विरोध किया। व्यवहार को छोटी–छोटी इकाई में विभक्त करने के स्थान पर समग्र रुप से अध्ययन करने पर बल दिया तथा व्यवहार को उद्देश्यपूर्ण माना है जो समग्रवाद को प्रतीत करता है।
- टालमैन ने विभिन्न प्रकारके भूल–भूलैयाओं में चुहों के उपर अनेक प्रयोग करके अपने अधिगम सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।

शिक्षा में उपयोग :–

- टालमैन का सिद्धांत सीखने में उद्देश्य की भूमिका तथा महत्व को रेखांकित करता है। अतः बच्चों को जो कुछ भी सीखाया जाय वह उसके लिए लाभप्रद तथा उसकी आवश्यकताओं के अनुरुप होनी चाहिए।
- अधिगम व्यर्थ नहीं होता है वरन् उपयुक्त अवसर पर लुप्त अधिगम का प्रस्फुटन हो जाता है। अतः तात्कालिक निष्पादन न होने पर भी अधिगम के प्रयास को जारी रखना चाहिए।
- यह सिद्धांत संज्ञानात्मक अधिगम पर बल देता है। अतः बच्चों को सीखाते समय समझ तथा बोध पर अधिक बल देना चाहिए।
- छात्रों को सीखाते समय बाह्य पुरस्कार के स्थान पर आन्तरिक अभिप्रेरण पर अधिक बल दिया जाना चाहिए।
- वातावरणीय परिस्थितियाँ, प्रणोद, पूर्व अधिगम, आयु पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए।

लेबिन का क्षेत्र सिद्धांत ;स्मूपदरे थ्पमसक जीमवतलद्ध :–

- अधिगम के क्षेत्र सिद्धांत का प्रतिपादन कुर्ट लेविन ;ज्ञनतज स्मूपदद्ध एक जर्मन मनोवैज्ञानिक थे जो बाद में अमेरिका जाकर बस गये थे, ने अपने डाक्टरल शोध प्रबन्ध में क्षेत्र मनोविज्ञान ;थ्पमसक च्ेलबीवसवहलद्ध प्रस्तु संबंधी विचारों के आधार पर सन् 1917 में किया था।

Scanned with CamScanner